Seventeenth Loksabha

>

Title: Issue regarding the Thalassemia disease.

श्री शंकर लालवानी (इन्दौर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान एक गंभीर बीमारी को ओर दिलाना चाहता हूं, जो कि थैलेसीमिया है । अगर माता-पिता दोनों का ब्लड ग्रुप माइनस होता है, तो यह बीमारी बच्चों में आ जाती है । जब यह बीमारी बच्चों में आ जाती है, तो इस गंभीर बीमारी के कारण बच्चों के हीमोग्लोबिन यानी खून में कमी आ जाती है, जिसकी वजह से हर सप्ताह या 15 दिनों में खून चढ़ाया जाता है । हमारी लगभग 18 से 20 प्रतिशत की जो पापुलेशन है, वह माइनर है, इसकी जागरूकता का अभाव होने के कारण इस प्रकार की बीमारियां बच्चों में हो रही हैं । इसका इलाज महंगा है । उससे पूरा परिवार प्रभावित होता है और 20 से 25 वर्ष का युवा भी बच्चा दिखता है ।

बच्चों के अंग काम करना बंद कर देते हैं और कभी-कभी तो मृत्यु भी हो जाती है । गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए इलाज मुश्किल हो जाता है । कोरोना के समय ब्लड देने में बहुत समस्या आ रही थी तो मेरा सरकार के लिए एक सुझाव है कि स्वास्थ्य मंत्री जी और कानून मंत्री जी इसके लिए एक कानून बनाएं कि शादी से पहले ब्लड टेस्ट होना आवश्यक है । कई देशों में इस प्रकार का कानून है । मैं सरकार से इस बीमारी के हल के लिए मांग करता हूँ । विदेशी दवाइयों में करोड़ों रुपये जाते हैं । इसको आयुष्मान योजना में भी जोड़ना चाहिए ।